जेल प्रहरी, पशु प्रशिक्षक, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी परीक्षा हेतु

राज्य की परियोजनाएं एवं नहरें

* सिंचाई परियोजना व नदी	(बाँध)	(लाभावित जिले)
→ भाखला नागला, सतलज	भाखड़ा बाँध (पंजाब) नाँगल बांध (हिमाचल)	हनुमानगढ़
→ व्यास परियोजना, व्यास	पोंग बाँध (H.P.) पंडोह बाँध (H.P.)	पोंग बाँध द्वारा शीतकाल में IGNP में पानी छोड़ा जाता है।
→ राजीव गाँधी सिद्धमुख नोहर परियोजना, सतलज	सिद्धमुख नहर नोहर नहर	आदरा व नोहर (हनुमानगढ़) राजगढ़ (चुरू)
→ गुड़गाँव नहर परियोजना, यमुना नदी		भरतपुर।
→ भरतपुर नहर परियोजना, यमुना नदी		भरतपुर
→ नर्मदा नहर परियोजना	सरदार सरोवर बाँध (गुजरात में)	जालोर व बाड़मेर
→ गंगनहर परियोजना (सतलज नदी)	करणी, समीजा, लालगढ़ लक्ष्मीनारायण नामक 4 लिफ्ट नहरें।	गंगानगर
→ इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना (सतलज व व्यास नदी)	हरिके बैराज बाँध (पंजाब)	हनुमानगढ़, गंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर, चुरू, नागौर, झुँझुनूं, सीकर।

https://rajasthanclasses.in/

* इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना :-

→ निर्माता :- कैंवरसेन

→ उद्घाटन :- 31 मार्च 1958 को गोविन्द वल्लभ पंत द्वारा

→ उद्गम :- हरिके बैराज बाँध (सतलज व व्यास नदियों का संगम)

→ राजस्थान में प्रवेश व जीरो पॉईंट - मसीतावाली (हनुमानगढ़) से गडरा रोड़ (बाड़मेर)

→ इसको राजस्थान की भरुगंगा या राजस्थान की जीवन रेखा की संज्ञा दी गई।

→ इन्दिरा गाँधी नहर की शाखाएँ - 9 शाखाएँ निकाली गई :-

* रावतसर शाखा - हनुमानगढ़
* अनुपगढ़ व सूरतगढ़ शाखाएँ गंगानगर जिले में स्थित।
* दांतौर, पुगल, बिरसलपुर व चारणवाला शाखाएँ बीकानेर में।
* सादुलमल गोपा व शहीद बीरबल शाखाएँ बीकानेर में।

⇒ इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना की सात लिफ्ट नहरें :-

(i) कैंवरसेन लिफ्ट नहर : बीकानेर, गंगानगर।
(ii) चौधरी कुम्भाराम लिफ्ट नहर : बीकानेर, हनुमानगढ़, चुरू, झुंझुनूं, सीकर
(iii) तेजाजी लिफ्ट नहर : बीकानेर
(iv) पन्नालाल - बारूपाल लिफ्ट नहर : बीकानेर, नागौर
(v) करणीसिंह लिफ्ट नहर : बीकानेर, जोधपुर
(vi) गुरु जाम्भेश्वर लिफ्ट नहर : बीकानेर, जोधपुर, जैसलमेर
(vii) जयनारायण व्यास लिफ्ट नहर : जैसलमेर, जोधपुर।

→ कैंवरसेन लिफ्ट नहर IGNP की प्रथम लिफ्ट नहर है।

→ चौधरी कुम्भाराम लिफ्ट नहर सबसे लम्बी नहर है।

→ वीर तेजाजी लिफ्ट नहर सबसे छोटी लिफ्ट नहर है।

https://rajasthanclasses.in/

Neel Kamal
Date
Page

[~~फसल उत्पादन~~]

* **सिंचाई के स्त्रोत :-** जहाँ से सिंचाई हेतु जल प्राप्त किया जाता है, जैसे- कुएँ, ~~नल~~ नलकूप, नहरें, तालाब व अन्य स्त्रोत बावड़िया, खड़िन आदि।

क्र. सं.	सिंचित क्षेत्र व स्त्रोत	राजस्थान	भारत	सर्वाधिक	
				भारत	राजस्थान
1.	सकल सिंचित क्षेत्र	11.65 मिलि. हैक्टेयर	120.38 मिलियन हैक्टे.	I^st उत्तरप्रदेश 2^nd मध्यप्रदेश 3^rd राजस्थान	-
2.	शुद्ध सिंचित क्षेत्र	08.25 मि. हैक्टेयर	77.91 मि. हैक्टेयर	1^st उत्तरप्रदेश 2^nd मध्यप्रदेश 3^rd राजस्थान	-
3.	कुएँ व नलकूपों द्वारा	68.63%	62.0%	उत्तरप्रदेश	जयपुर
4.	नहरों द्वारा	29.52%	24.0%	उत्तरप्रदेश	श्रीगंगानगर
5.	कुओं द्वारा	23.00%	16.0%	उत्तरप्रदेश	जयपुर
6.	नलकूपों द्वारा	45.50%	46.0%	उत्तरप्रदेश	जयपुर
7.	तालाबों द्वारा	0.46%	3.0%	तमिलनाडु	भीलवाड़ा
8.	अन्य स्त्रोत	1.53%	11.0%	-	-

→ सूक्ष्म सिंचाई भारत में 83.05 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई की जाती है। राजस्थान 07.08 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई के साथ देश में 6वाँ (प्रथम कर्नाटक) स्थान पर है।

→ राजस्थान में भारत के कुल सतही जल का 1.16% भाग तथा भूजल का 1.70% भाग स्थित है।

→ विश्व में सर्वाधिक सिंचित क्षेत्र-चीन में (21%) तथा दूसरा स्थान भारत (20.2%)

→ भारत में नलकूप व पम्पसेट द्वारा सर्वाधिक सिंचाई गुजरात (75%) तथा उत्तरप्रदेश (67%) का द्वितीय स्थान है।

→ सिंचाई के अभाव में राजस्थान की 101 लाख हैक्टेयर भूमि बंजर है।

→ राजस्थान का सकल सिंचित क्षेत्रफल :- 11.65 मिलियन हैक्टेयर है।

Neel Kamal
Date
Page

* सिंचाई परियोजनाओं का वर्गीकरण :-

→ परियोजना = सिंचित क्षेत्र

1. लघु सिंचाई परियोजना : 2000 हैक्टेयर से कम
2. मध्यम सिंचाई परियोजना : 2000-10000 हैक्टेयर
3. वृहत सिंचाई परियोजना : 10000 हैक्टेयर से ज्यादा

* सिंचाई के साधन :-

1. हस्त चालित :- बेड़ी / दोलन टोकरी (1मी.) व ~~टेकली~~ टेकली (1 से 3मी.)
2. पशु चालित :- रहट / बाल्टियों की माला (10-12मी.) व चड़स (30फीट)
   ये दोनों पशुचालित सिंचाई के प्राचीन साधन है।
3. पवन चालित :- पवन चक्की, कम से कम 16 मील प्रति घण्टा वेग से पवन चलने वाले स्थानों पर ही लगाई जानी चाहिए।
4. सौर चालित :- सूर्य के प्रकाश से प्राप्त ऊर्जा से यह गतिमान होते है। राजस्थान सरकार 5HP व 7HP के सोलर पम्प स्थापित करने के लिए किसानों को अनुदान दे रही है।
5. विद्युत या यांत्रिक शक्ति चालित :- पम्पसेट व सबमर्सिबल पम्प।

→ सबमर्सिबल पम्प पानी के अन्दर रहकर कार्य करता है। नलकूपों में अधिक गहराई से पानी प्राप्त करने हेतु यही पम्प उपयोग में लाये जाते है।

→ यांत्रिक / विद्युत शक्ति को अश्वशक्ति में नापते है।

→ एक मानव शक्ति 0.1 अश्व शक्ति के बराबर होती है।

https://rajasthanclasses.in/

राजस्थान सामान्य ज्ञान

कला संस्कृति, भूगोल, इतिहास संपूर्ण राजस्थान जीके

सभी टॉपिक वाइज नोट्स व प्रश्नोत्तरी PDF

सभी भर्ती परीक्षाओं हेतु उपयोगी PDF

राजस्थान GK All PDF's

अन्य किसी भी प्रकार की PDF's के लिए

गूगल सर्च करें या क्लिक करें 👇

Google

rajasthanclasses.in

Telegram चैनल ज्वॉइन करें

YouTube पर ऑनलाइन क्लासेज भी देखें